

श्री \_\_\_\_\_

सुपुत्र श्री \_\_\_\_\_  
पुत्र श्री \_\_\_\_\_

इसके द्वारा स्वयं की  
निवासी

जिनके नामों आगे "आवक" कहा गया है के लिए स्वयं को प्रतिभूति घोषित करता हूँ और यह प्रतिभूति देता हूँ कि आवक वह सब कार्य करेगा जिनको कटने का बंधनबंध उसने भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में निष्पादित दिनांक \_\_\_\_\_ के अधिन किया है और मैं भारत के राष्ट्रपति को जिन्हें इसमें आगे सरकार कहा गया है ₹ 2000/- रुपये अर्थात् दस हजार रुपये की राशि का संदाय करने के लिए स्वयं को अपने वारिसों, प्रतिपादकों और पुरातकों को आवक करता हूँ। यह राशि आवक द्वारा उक्त बंध-पत्र के अधिन शोधय और संदेय रकम है या वह राशि है जो सरकार उक्त आवक के व्यक्तिक्रम के कारण हुई गिराई होनी या नुकसान की पूर्ति के लिए पचासित तमों। इसके द्वारा मैं यह करार भी करता हूँ कि सरकार, जिन्होंने अन्य जघिजारों और उपचारों पर प्रतिभूत प्रभाव डाले बिना उक्त राशि को मेरे से भू-राजस्व की वकाया के रूप में वसूल कर लेगी। इसके अतिरिक्त मैं यह करार भी करता हूँ कि उक्त बंध-पत्र में उक्त निबंधनों में कोई परिवर्तन या आवक को दिया गया कोई समय अथवा ऐसी अन्य शर्तों या विर स्थितियों में जिनके अधिन विधि की दृष्टि में प्रतिभू उन्पादित हो जायेगा। उक्त राशि का संदाय करने के मेरे दायित्व से मुझे उन्पादित हो जायेगा, उक्त राशि का संदाय करने के मेरे दायित्व से मुझे उन्पादित नह करेगी तथा इस बंध पत्र के प्रवर्तन के प्रयोजन के लिए इस बंध पत्र के अधिन मेरा दायित्व भूत श्रेणी के रूप में तथा आवक के दायित्व के साथ संयुक्त और प्रयुक्त रूप में होगा।

दिनांक: -

---



---



---

सतहारा सत्य निष्ठा से अभिभूष्टी करते हुए

निम्नलिखित घोषणा करता हूँ ।

1. कि मैं डेटोजेनर हूँ और मेरी आय का कोई स्रोत नहीं है इसलिए होम-डिलीवरी कार्ड/रियायतग्राही डिपॉ के लिए आवेदन किया है ।
2. कि मेरी जन्म तिथि \_\_\_\_\_ है ।  
और मेरी वर्तमान आय \_\_\_\_\_ है ।
3. कि मेरा वह सत्य रकम है और मैं इस रकम के प्रति बचन-बद्ध रहूँगा ।
4. कि मैं घोषणा करता हूँ कि दिल्ली सुगंध योजना के होम डिलीवरी कार्ड/रियायतग्राही डिपॉ के बारे में नियमों और विनियमों का पालन करूँगा ।

अभिज्ञाधी

विश्वास

मैं ऊपर नाम अभिज्ञाधी, सतहारा सत्य निष्ठा से अभिभूष्टी तथा घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त संयुक्त-पत्र की विषय वस्तु मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सही और सत्य है ।

अभिज्ञाधी

विद्यार्थी \_\_\_\_\_ द्वारा निम्नलिखित तथ्य-  
निम्नता अभिसूचना तथा घोषणा करता है :

- 1- कि मैं शर्मित करता हूँ कि मेरे पास इस समय मदर डेयरी की कोई स्पेन्सी या लब्धी का शिपों नहीं है ।
- 2- कि मैं शर्मित भी जगह नियोजित नौकरों को नहीं हूँ ।
- 3- कि मैं घोषणा करता हूँ कि यदि भविष्य में मैं किसी को नौकरों में लग गया तो तत्पक्षी मूलतः 15 दिनों के अन्दर-2 दिनों में नौकरों को दे दी जायेगी ।
- 4- कि मैं शर्मित घोषणा करता हूँ कि मैंने द्वारा किये गये कदमों में-  
विद्यार्थी और उपजन्थों को वैयक्तिक रूप से मानने के लिए आबद्ध हूँ ।
- 5- कि मैंने कोई अन्य सरकारी शिपों का लाभ नहीं लिया है ।

अभिज्ञानी

अभियोग

मैं तत्काल अभिज्ञानी स्तद्धाएत तथ्य निम्नता से अभिसूचना तथा घोषणा करता हूँ कि मैंने कभी-कभी \_\_\_\_\_ को \_\_\_\_\_ और विश्वास के अभाव में \_\_\_\_\_ है ।

अभिज्ञानी